हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार 6 अप्रैल 2026

11 माजरा की मंडी में नहीं शुरू हुई गेहूं की सरकारी खरीद

12 कलशयात्रा के साथ शुरू हुई श्री शिव महापुराण कथा

खबर संक्षेप

सुबह से शाम तक आते जाते रहे बादल

बहादुरगढ़। रविवार को बारिश तो नहीं हुई, लेकिन सुबह से शाम तक कई बार बादलों की आवाजाही बनी रही। हालांकि दोपहर के समय तेज धूप ने भी परेशान किया। अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं भारतीय मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण बुधवार 8 अप्रैल को 9 राज्यों में आंधी-तूफान के साथ जोरदार बारिश का अलर्ट जारी किया है। सोमवार और मंगलवार को भी आंशिक बादल छाने और बौछारों की संभावना है। मौसम की इस करवट से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

आज लगेंगे समाधान शिविर, सुनेंगे समस्याएं

झज्जर। असोमवार को आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जाएंगे। जहां नागरिकों की शिकायतें सुनकर उनका मौके पर ही निपटान सुनिश्चित किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर में उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल और उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम लोगों की शिकायतें व समस्याएं सुनेंगे।

डॉक्टरों को सम्मानित करेंगी संस्थाएं

बहादुरगढ़। शहर में स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले डॉक्टरों को विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में 7 अप्रैल को विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा दिल्ली हॉस्पिटल में सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक सत्येंद्र दहिया ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद, सार्थक सेवा समिति, चंद्रभान मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट तथा जन जागरण सेवा समिति के तत्वाधान में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में इंजीनियर लापता

झज्जर। याकूबपुर की एक निजी कंपनी में कार्यरत इंजीनियर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता है। पुलिस को दी शिकायत में फतेहाबाद के भूथनकलां निवासी रविंद्र ने बताया कि उसका भाई सोनू याकूबपुर की एक निजी कंपनी में इंजीनियर के पद पर कार्यरत था। वह स्थानीय सांपला रोड स्थित एक कॉलोनी में मकान बनाकर रह रहा था। शुक्रवार को फोन पर बात करते समय उसका सोनू के साथ कुछ विवाद हो गया था। इसके बाद वह अपने भाई से मिलने उसके निवास पर पहुंचा तो वह वहां मकान पर नहीं मिला। उसने आस-पड़ोस के लोगों से भी पता किया, लेकिन सुराग नहीं लगा।

सेक्टर नौ में भगवान परशुराम भवन शिलान्यास कार्यक्रम में पुलिस की मौजूदगी के बीच हंगामा

कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स और उनके परिजनों पर लगे मारपीट के आरोप

ब्राह्मण महासभा का कार्यक्रम बना जंग का मैदान महासचिव संत सुरेहती और बेटे को जमकर पीटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर के सेक्टर नौ में श्री ब्राह्मण महासभा द्वारा रविवार को आयोजित भगवान परशुराम भवन शिलान्यास कार्यक्रम जंग का मैदान बन गया। एकाएक कुछ युवकों ने ब्राह्मण महासभा के महासचिव व भाजपा नेता पंडित संत सुरेहती के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते कार्यक्रम में अफरा तफरी का माहौल बन गया। युवक सुरेहती को पीटते रहे और मंच से मारपीट न करने की अपील भी की जाती रही। इसके कारण उनको गंभीर चोटें लगी हैं। बीच बचाव करने आए सुरेहती के बेटे को भी युवकों ने जमकर पीटा। बताया जा रहा है कि धक्कामुक्की से विवाद शुरू हुआ।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और फोटो में साफ दिखाई दे रहा है कि युवक कैसे बेरहमी से पीट रहे हैं। संत सुरेहती को स्टेज पर पीटते हुए स्टेज से नीचे गिराया गया और उसके बाद भी लात मुक्के मारे गए। करीब दस से पंद्रह मिनट तक हंगामा होता रहा। हालांकि कार्यक्रम के दौरान पुलिस बल तैनात था, लेकिन पुलिस कर्मी भी नहीं समझ पाए कि आखिर हो क्या रहा है। बाद में पुलिस कर्मियों और ब्राह्मण समाज के लोगों ने बीच बचाव करते हुए मामले को शांत करवाया।

मंच पर मौजूद थे कांग्रेस विधायक वत्स

इस दौरान जब मारपीट की जा रही थी तब बादली से कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स मौके पर मौजूद थे। पीड़ित संत सुरेहती और बादली से पूर्व विधायक नरेश शर्मा ने विधायक कुलदीप वत्स और उनके परिजनों पर मारपीट का आरोप लगाया है। बाद में संत सुरेहती उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचे और पुलिस को भी लिखित में शिकायत दी है। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त से सख्त

भाजपा नेता को स्टेज से गिराकर लात-घूंसों से पीटा, पुलिस को दी शिकायत

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान स्टेज से नीचे गिराए गए संत सुरेहती (घेरे में) और झगड़े में उतरे लोग।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान हुई मारपीट और बीच-बचाव करते हुए लोग।

आरोपों के प्रमाण दें, मेरा कोई संबंध नहीं : विधायक

विधायक कुलदीप वत्स ने घटना की निंदा की है। उन्होंने कहा कि उनके ऊपर जो आरोप लगाए हैं, वो गलत हैं। अगर आरोपों में सच्चाई है तो इसके प्रमाण दें, वे स्वयं मामले में कार्रवाई की सिफारिश करेंगे। उन्होंने कहा कि वे समाज के कार्यक्रम में गए थे, उनका इस विवाद से कोई संबंध नहीं है।

जताया था विरोध

कार्यक्रम को लेकर सेक्टर नौ निवासियों ने नाराजगी जताई थी और एसडीएम को मांगपत्र सौंपा था। मांगपत्र में कहा गया था कि सभी सेक्टर नौ निवासी परशुराम धर्मशाला के निर्माण कार्य का अभिनंदन एवं स्वागत करते हैं। भगवान परशुराम पूरे समाज के पूजनीय हैं। सेक्टर वासियों का कहना है कि इस कार्यक्रम में केवल एक जाति विशेष के लोगों और उसी वर्ग के नेताओं को आमंत्रित किया गया, जबकि सेक्टर नौ में सभी जाति और धर्म के लोग आपसी भाईचारे के साथ रहते हैं। हमारा मानना है कि भगवान को किसी एक जाति के दायरे में नहीं बांधा जा सकता और न ही किसी एक वर्ग को विशेष दर्जा दिया जाना चाहिए। सेक्टर वासियों ने पहले भी अपनी बैठकों में यह निर्णय लिया था कि क्षेत्र में किसी भी सार्वजनिक स्थल या भवन का नाम किसी एक जाति विशेष के आधार पर नहीं रखा जाएगा और सभी कार्यक्रमों में सभी समाजों की समान भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

झज्जर। भगवान परशुराम भवन का शिलान्यास करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा।

मंत्री डॉ. अरविंद ने किया भवन का शिलान्यास कहा- जरूरतमंदों की होगी सेवा, युवा आगे बढ़ेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सेक्टर नौ में स्थापित होने वाला भगवान परशुराम भवन जरूरतमंदों की सेवा और युवाओं को उनके लक्ष्य प्राप्त करने का बड़ा माध्यम बनेगा। ब्राह्मण समुदाय हमेशा 36 बिरादरी को साथ लेकर चला है, जिसकी बदौलत समाजिक व्यवस्था मजबूत रही है। यह बात सहकारिता मंत्री डॉक्टर अरविंद शर्मा ने ब्राह्मण महासभा के तहत निर्माण होने वाले भगवान परशुराम भवन का शिलान्यास करने उपरांत अपने संबोधन में कही। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया। विधानसभा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के तीसरे कैम्पस के पास हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा सेक्टर 26 में चार एकड़ में भगवान परशुराम विरासत पार्क विकसित करने की घोषणा की है। इस दौरान श्री ब्राह्मण महासभा के प्रधान पंडित राज देवरखाना, महासचिव संत सुरेहती, वरिष्ठ उपप्रधान पंडित कुलदीप, उपप्रधान रविंद्र कौशिक, कोषाध्यक्ष बालकिशन भदाना, सहसचिव विजय कुमार ने कैबिनेट मंत्री का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर बादली विधायक डॉक्टर कुलदीप वत्स, पूर्व विधायक नरेश शर्मा, पार्षद मिथुन शर्मा, मुकुल कौशिक, मनीष नंबरदार, एडवोकेट पंकज शर्मा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

मंत्री के जाने के एक घंटे बाद मारपीट, बड़ौली नहीं आए

कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की थी और भगवान परशुराम भवन का शिलान्यास किया था। लेकिन अरविंद शर्मा के जाने के एक घंटे बाद कार्यक्रम युद्ध का मैदान बन गया और ब्राह्मण महासभा के महासचिव संत सुरेहती और उसने पुत्र को जमकर पीट गया। इसको लेकर कार्यक्रम बीच में ही समाप्त करना पड़ा। संत सुरेहती ने बताया कि कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली को भी आना था, लेकिन मारपीट की घटना के बाद उनका कार्यक्रम रद्द करवाया गया।

बच्चा तस्करी मामले में 4 और आरोपी गिरफ्तार, ढूंढ़ते थे बच्चों के खरीदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

नवजात बच्चा तस्करी गिरोह के खिलाफ चल रही जांच लगातार आगे बढ़ रही है। बहादुरगढ़ पुलिस को एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है। इस मामले में पुलिस टीमों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले इस गिरोह के 3 सदस्यों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस ने संदीप पवार निवासी बल्लभगढ़ (फरीदाबाद), रुद्रा प्रताप सिंह निवासी रायपुर (छत्तीसगढ़), विजय निवासी ग्रेटर नोएडा वेस्ट (उत्तर प्रदेश) तथा मोहन पांचाल उर्फ मोनू उर्फ मोना निवासी शाहदरा (दिल्ली) को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि ये सभी आरोपी पहले से गिरफ्तार गिरोह के सदस्यों के संपर्क में थे और नवजात बच्चों की अवैध खरीद-फरोख्त के नेटवर्क में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। ये आरोपी सप्लाई चेन को मजबूत करने, संभावित ग्राहकों से संपर्क स्थापित करने और सौदे को अंतिम रूप देने में सहयोग करते थे। संयुक्त पुलिस टीमों द्वारा तकनीकी और गुप्त सूचना के आधार पर इन आरोपियों तक पहुंच बनाई। लगातार निगरानी और सटीक कार्रवाई के चलते इन्हें काबू किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में यह भी संकेत मिले हैं कि यह गिरोह विभिन्न राज्यों में फैला हुआ है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से निसंतान दंपतियों को निशाना बनाता था। गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों को अदालत में पेश कर 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान उनसे गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों, फरार सरगना और इस नेटवर्क से जुड़े खरीदारों तक पहुंच बनाई जा सके।

पुलिस उपायुक्त बहादुरगढ़ मयंक मिश्रा ने स्पष्ट किया है कि नवजात बच्चों की तस्करी जैसे जघन्य अपराध में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। बहादुरगढ़ पुलिस इस पूरे नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के लिए लगातार प्रयासरत है। मामले की जांच के दौरान कई अहम सुराग मिले हैं, जिनके आधार पर आगे भी कार्रवाई जारी है।

आस्था का सम्मान : पार्क में पेड़ों के नीचे रखी खंडित मूर्तियों व पूजा सामग्री को किया एकत्रित

बहादुरगढ़। शहर के लाइनपार क्षेत्र में स्थित पार्क में रविवार को सनातन रक्षा दल के सदस्य नीरज वत्स, राहुल कौशिक व समर्पण युवा शक्ति मंच के सचिव नितेश कुमार ने बच्चों के साथ मिलकर पेड़ों के नीचे पड़ी खंडित मूर्तियों एवं पूजा-पाठ की सामग्री एकत्रित की। साथ ही वहां मौजूद लोगों और महिलाओं को जागरूक किया कि धार्मिक वस्तुओं को इस प्रकार खुले स्थानों पर न छोड़ें, बल्कि उनका सम्मानपूर्वक उचित स्थान पर विसर्जन या प्रबंधन करें। राहुल कौशिक ने कहा कि धर्म का सम्मान केवल पूजा तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसकी पवित्रता और स्वच्छता बनाए रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। नितेश कुमार ने बताया कि ऐसे सामाजिक कार्य न केवल पर्यावरण को स्वच्छ रखते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक सोच और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करते हैं।

ग्राम सचिव के गले से मंगलसूत्र तोड़कर भागी महिला

झज्जर। ग्राम सचिव के पद पर कार्यरत एक महिला के गले से मंगलसूत्र तोड़ने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में जिले के गांव मलिकपुर निवासी महिला ने बताया कि वह रेवाड़ी में ग्राम सचिव के पद पर कार्यरत है। रोजाना आवागमन करती है। बीते वीरवार जब वह झज्जर से मलिककपुर आ रही थी तो जहाजगढ़ बस स्टैंड पर एक औरत ने उसके गले से मंगलसूत्र के पैंडल को तोड़ लिया और वह बस रुकवा कर भाग निकली। जब उसने बराणी मोड़ पर बस रुकवा कर मंगलसूत्र का पैंडल चेक किया तो वह नहीं मिला। पीड़िता के अनुसार उसके मंगलसुत्र का पैंडल दो तोले का था। उसने पुलिस ने उसका जेवर बरामद करने की गुहार लगाई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। वहीं, आरोपी महिला की तलाश की जा रही है।

विवाद | रोहद टोल प्लाजा पर टेंडर अवधि समाप्त होने के बाद नई एजेंसी के टेकओवर करने पर विवाद

पुराने स्टाफ में बदलाव के खिलाफ आक्रोश, पुलिस टीम तैनात

रोहद टोल प्लाजा पर नई एजेंसी ने कर्मचारी बदले तो हुआ हंगामा, ग्रामीण पुराने कर्मियों के समर्थन में उतरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रोहतक रोड पर स्थित रोहद टोल प्लाजा पर टेंडर अवधि समाप्त होने के बाद नई एजेंसी द्वारा टेकओवर किए जाने के साथ ही विवाद खड़ा हो गया। मुख्य रूप से स्टाफ की अदला-बदली को लेकर स्थिति तनावपूर्ण बन गई, जिसके चलते आसपास के ग्रामीण भी पुराने कर्मचारियों के समर्थन में उतर आए और मौके पर हंगामा किया।

जानकारी के अनुसार, नई टेंडर प्रक्रिया के तहत पुरानी एजेंसी से कार्यभार लेकर नई कंपनी ने संचालन शुरू कर दिया है। इसके बाद कंपनी द्वारा अपने स्तर पर नए कर्मचारियों की नियुक्ति और पुराने स्टाफ में बदलाव की प्रक्रिया शुरू की गई। इसी को लेकर विवाद बढ़ गया। ग्रामीणों का कहना था कि वर्षों से कार्यरत पुराने कर्मचारियों को ही काम पर रखा जाए, क्योंकि वे स्थानीय हैं और अपनी आजीविका के लिए इसी पर निर्भर हैं। ग्रामीणों ने कंपनी से मांग की कि बिना किसी ठोस कारण के पुराने स्टाफ को हटाया न जाए। वहीं, कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि वे अपनी सुविधा और नियमों के अनुसार नई व्यवस्था लागू कर रहे हैं और स्टाफ चयन उनका आंतरिक मामला है। स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस बल को मौके पर तैनात किया गया ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो सके। पुलिस की मौजूदगी में मामला शांत कराने के प्रयास किए गए। वहीं दूसरी ओर 1 अप्रैल से रोहद टोल प्लाजा पर टोल दरों में भी बढ़ोतरी कर दी गई है। जिससे आम लोगों में पहले से ही नाराजगी बनी हुई है। हंगामे के दौरान आम वाहन चालकों ने भी अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि टोल में लगातार हो रही बढ़ोतरी से सफर करना महंगा होता जा रहा है।

बहादुरगढ़। हंगामे की सूचना के बाद टोल पर तैनात पुलिसबल और रोहद टोल प्लाजा पर रविवार को लगी वाहनों की कतार।

डीसी ने कहा-अफवाहों पर ध्यान न दें

गैस एजेंसियों का स्टॉक नियमित चेक करने के दिए निर्देश

- हेल्पलाइन नंबर 01251-254270 पर दर्ज करवाएं एलपीजी संबंधी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि जिले में एलपीजी गैस सिलेंडर सहित पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य है और किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान करते हुए कहा कि एलपीजी स्टॉक की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जा रही है। नागरिक किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं दें।

उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा हेल्पलाइन नंबर 01251-254270 भी जारी किया गया है। इस हेल्पलाइन नंबर पर कोई भी एलपीजी गैस उपभोक्ता एलपीजी से संबंधित अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है। उन्होंने बताया कि खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा प्रवासी श्रमिकों और स्लम बस्तियों में रहने वाले कमजोर वर्ग के लोगों के लिए पांच किलोग्राम के सिलेंडर उपलब्ध कराने के लिए सजगता के साथ कार्य किए जा रहे हैं। बता दें कि बाजार में खुली गैस के दाम बहुत ज्यादा बढ़ने की वजह से प्रवासी श्रमिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई जगह तो श्रमिक काम छोड़कर अपने गांवों में भी चले गए हैं।

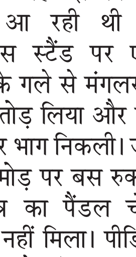

हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का धयान रखिये कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं।

- स्वामी विवेकानंद

कहानी

अर्चना कोचर

विश्वास की कसौटी

वह एक प्रतिष्ठित कारोबारी की बेटी थी, जो विदेश की एक कंपनी में काम करती थी। उसकी मां बिलखते हुए बोली-"बेटी, दो दिन पहले स्कूटी से शाम को शॉपिंग करने बाजार गई थी।'

सुबह-सुबह दरवाजे पर लगातार बजती घंटी से झुंझलाकर रुचिका ने गुस्से में दरवाजा खोला। सामने आधे फटे मैले-कुचैले कपड़ों में जवान लड़की खड़ी थी। चेहरा उतरा हुआ, होंठ फटे तथा आंखों में दहशत थी। वह लड़की उसे टुकुर-टुकुर देखने लगी। रुचिका माथे पर भौहें चढ़ाकर बोली-"अरी! बोलो क्या कहना है.. क्यों सुबह-सुबह टाइम खोटी कर रही हो..?" वह लड़खड़ाती जुबान में बोली -"मैं.. नि..धी.., घर..फोन, किराया.. पैसे..।' तभी साथ वाले पड़ोसी के जवान बेटे अभय और अभिनव को आते देखकर वह ऐसे ठिठकी, जैसे उसे सौ वोल्टेज का झटका लगा हो और खुद में सिमटने की कोशिश करने लगी। भय के मारे उसका चेहरा पीला पड़ गया। रुचिका के करीब आने के लिए वह दो कदम और आगे बढ़ी-जैसे कुछ कहना चाहती हो, पर शब्द गले में अटक गए हो। होंठ हिल रहे थे, पर जुबान साथ नहीं दे रही थी। उसकी आंखों और कांपते हाथों के इशारों में मदद की एक मूक पुकार थी। सुबह-सुबह एक तो पूरे घर को व्यवस्थित करके दफ्तर जाने की जल्दी, ऊपर से जवान लड़की को भीख मांगते देखकर रुचिका स्वयं पर नियंत्रण नहीं रख पाई और क्रोधाग्नि में जलते हुए -"सुबह-सुबह भीख मांगना शुरू कर देते हो। कुछ तो शर्म करो.., भरी जवानी में दो वक्त की रोटी भी कमाकर नहीं खा सकती हो.. और उसे अनदेखा करके फटाक से गेट बंद कर दिया।" और वह मन-ही-मन बड़बड़ाते हुए–"इन भोली-भाली शक्लों के पीछे शैतानी दिमाग के बड़े-बड़े षड्यंत्र चलते हैं।"

फिर पति मुकेश की तरह मुखातिब होते हुए -"अभिनव और अभय दोनों पुलिस और सीआईडी में है। उन्हें देखकर उस लड़की ने ऐसी प्रतिक्रिया दी जैसे चोरी पकड़े जाने पर गुनाह से मुकर रही हो।" मुकेश-"यह अकेले काम नहीं करती हैं। इनके पीछे इनका पूरा गैंग होता है। इनका ज्यादातर काम इशारों से ही चलता है।" आजकल ठगों के भी नए-नए तरीके हो गए हैं। मदद मांगने के बहाने घर के अंदर घुस आते हैं ।" रुचिका ने सिर हिलाया, लेकिन कहीं भीतर असली और नकली में एक द्वंद्व छिड़ गया-"क्या वाकई वह ठग थी..?" दो घंटे बाद कार से दफ्तर जाते हुए सड़क किनारे लगी भीड़ को देखकर रुचिका ने गाड़ी रोककर ऊंची-ऊंची आवाज में-"क्या हुआ..क्या हुआ..का शोर मचाकर सबका ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने लगी।' पास खड़े दुकानदार ने कहा -"सुबह से कोई लड़की गली में मदद की आस में इधर-उधर घूम रही थी, किसी से कुछ मांग रही थी। पर, कोई ध्यान नहीं दे रहा था। थोड़ी देर पहले यहीं गिर पड़ी।" वह फटाफट गाड़ी से उतरी और भीड़ के बीच सड़क पर उसी लड़की को बेहोश देखकर हैरानी से-"अरे! क्या हुआ इसे। दो घंटे पहले तो ठीक-ठाक थी। मेरे दरवाज़े पर भी आई थी, मदद मांग रही थी..। ठीक से बोल नहीं पा रही थी ।

सुबह-सुबह एक तो पूरे घर को व्यवस्थित करके दफ्तर जाने की जल्दी, ऊपर से जवान लड़की को भीख मांगते देखकर रुचिका स्वयं पर नियंत्रण नहीं रख पाई और क्रोधाग्नि में जलते हुए -"सुबह-सुबह भीख मांगना शुरू कर देते हो। कुछ तो शर्म करो.., भरी जवानी में दो वक्त की रोटी भी कमाकर नहीं खा सकती हो...

शायद अपना नाम निधि बता रही थी, फोन और पैसे मांग रही थी। हो सकता है घर पर फोन करना चाह रही हो या घर जाने के लिए किराए के पैसे मांगने आई हो।" अब सुबह-सुबह सभी अपनी-अपनी दिनचर्या की आपा-धापी में व्यस्त होते हैं। इस बेचारी की मजबूरी कोई समझ नहीं पाया।" उस पर पानी के छींटें मारकर उसे होश में लाने की काफी कोशिश की गई, उसकी धड़कने धड़क रही थी, पर शरीर हरकत नहीं कर रहा था। रुचिका दफ्तर जाना भूल गई। दो-चार जवानों की मदद से उसे अपनी कार में डालकर फटाफट अस्पताल ले गई। उसके मन में आत्मग्लानी का बोध था-"उस बेचारी की जुबान में कंपन थी, हलक भी सूख रहा था। उसने इशारों में अपनी बात समझाने की कितनी कोशिश की थी-उस समय इसे दो घूंट पानी ही पिला देती।" काश! सुबह इसकी समय पर मदद कर दी होती। अंतर्द्वंद्व की ऊहापोह में उलझी–अब यह रुचिका क्या करती–रोज़ नए रूपों में होने वाले धोखे और ठगी की वारदातों ने तो जरूरतमंदों की मदद पर से भरोसा ही खत्म कर दिया है। अब इस मासूम निधि की सच्ची पुकार भी शक के घेरे में आ गई। तेरे मन के पेंडुलम में झूलती इस शक की सुई ने दांव पर लगा दी ना एक मासूम ज़िंदगी। रुचिका की बढ़-चढ़कर निधि की मदद के कारण पीजीआई के डॉ विपुल शाह ने -"क्या हुआ इसे...?" रुचिका- "डॉ. साहब, पता नहीं, सड़क के किनारे बेहोश मिली है।" डॉ विपुल शाह-"फिर तो पुलिस केस बनेगा। क्या यह आपकी पहचान में है?"

रुचिका - "नहीं, फिर भावुक होते हुए - डॉ. साहब, आप पुलिस को सूचित कर दीजिए, लेकिन पहले इसका इलाज शुरू कीजिए।" डॉ. विपुल शाह-"कल को कोई समस्या हो गई तो बात हमारी नौकरी पर आ जाएगी। आप तो पढ़ी-लिखी समझदार हैं, आपको पता ही है मीडिया और पुलिस का..।" रुचिका - "डॉ. साहब, मैं गारंटी ले रही हूं। आप इसका इलाज शुरू करिए।" लेकिन साथ आए युवक-"मैडम, कल को कोई लफड़ा हो गया तो लेने के देने पड़ जाएंगे। ऐसे निर्णय जज्बातों में बहकर जल्दबाजी से नहीं लिए जाते।"

रुचिका-" सुबह इस बेचारी की मदद ना कर पाने के कारण इसकी रुकती सांसों पर लेने के देने तो अभी भी पड़ रहे हैं।" युवक-"मैडम, पुलिस को आने दीजिए। केस की तहकीकात के पश्चात कोई फैसला लेना उचित होगा।"

रुचिका-" पर, तब तक बहुत देर हो जाएगी। अगर इसे कुछ हो गया तो, मैं तो जीते जी ही मर जाऊंगी।" वह निधि के इलाज में एक सेकेंड की देरी भी सहन नहीं कर पा रही थी, इसलिए उसकी निगाहें केवल निधि पर टिकी थी। डॉक्टरों के रोकने के बावजूद उसके कदम बार-बार उसके बेड की तरफ मुड़ जाते तथा उसकी धड़कनों की पुष्टि कर आते थे। पुलिस ने आते ही शीघ्रता से पूछताछ करके अपनी फाइल बना ली तथा डॉक्टर भी बड़ी तन्मयता से निधि के इलाज में जुट गए। उसकी लगातार उखड़ती सांसों के बावजूद उसकी जिंदगी के लिए धरती के भगवानों की उस सर्वशक्तिमान से जंग जारी रही। रुचिका वहीं बैठी रही तथा हाथ जोड़कर भगवान से प्रार्थना करती रही। हर बीतते पल के साथ उसे अपनी गलती का अहसास और भारी लगता जा रहा था और दिमाग स्कूल के गलियारे में पढ़ी 'हार की जीत' कहानी में घूम रहा था। बाबा भारती ने तो डाकू खड़क सिंह से यह वचन लिया था कि तुम दुनिया को यह मत बताना कि तुमने बाबा भारती से यह घोड़ा कैसे लिया है, वर्ना लोग अपाहिजों और दीन-दुखियों की मदद करना छोड़ देंगे। आज यही बात बिल्कुल यथार्थ हो गई है। पीड़ा की गहन अनुभूति में वह खुद से बड़बड़ाई - "बाबा भारती और सुल्तान तो हारकर भी जीत गए थे, पर यह रुचिका विश्वास की कसौटी पर.....।" पुलिस की तत्परता तथा नवयुवकों की सोशल मीडिया पर सक्रिय कोशिशों से निधि की पहचान मिल गई। वह एक प्रतिष्ठित कारोबारी की बेटी थी, जो विदेश की एक कंपनी में काम करती थी। पता लगते ही रोता-बिलखता पूरा परिवार अस्पताल आ गया। उसकी मां बिलखते हुए बोली-"बेटी, दो दिन पहले स्कूटी से शाम को शॉपिंग करने बाजार गई थी। स्कूटी पार्किंग में ही खड़ी रही और बेटी लौटकर नहीं आई। पास के पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए वहां के सीसीटीवी फुटेज की मदद से देखा - निधि शॉपिंग करके पार्किंग की तरफ जा रही है, तभी पीछे से बिना नंबर प्लेट के तेज गति से आती गाड़ी का दरवाजा खुला, किसी ने उसे गाड़ी के अंदर खींच लिया और गाड़ी सरपट भगा दी। अंधेरे के कारण सीसीटीवी कैमरे में किसी का भी चेहरा स्पष्ट नजर नहीं आया।" उसके मां-बाप से ज्यादा रुचिका सदमे में थी और जोर-जोर से बिलखते हुए-"उन दरिंदों के बराबर मैं भी कसूरवार हूं।" निधि के मां-बाप ने उसे प्यार से तसल्ली दी–"बेटी, खुद को दोष मत दो.. होनी अटल है।" डॉक्टरों के अनुसार- इसके साथ कई बार गैंगरेप किया गया है तथा यह दो दिन से भूखी-प्यासी भी है। लगता है चलती गाड़ी से धक्का दिए जाने के कारण इसके शरीर के अंदरूनी हिस्सों में आई गहरी चोटों का रक्तस्त्राव रुक नहीं रहा है। भीतर रक्त के थक्के जमने लगे हैं, जिससे स्थिति और गंभीर होती जा रही है। हाई बीपी के कारण अभी ऑपरेशन करना संभव नहीं है, इसलिए दवाइयों से इसे नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है। बेटी की हालत को देखते हुए उसके पापा उसे किसी अच्छे अस्पताल में शिफ्ट करने की विनती करने लगे, लेकिन उसकी नाजुक हालत को देखते हुए, पीजीआई के डॉक्टरों ने इसकी इजाजत नहीं दी ।

तभी डॉक्टर द्वारा निधि के होश में आने की खबर किसी चमत्कार से कम नहीं थी। अब सभी को उम्मीद की किरण नजर आने लगी तथा उसके इर्द-गिर्द जमा होकर भगवान का शुक्रिया अदा करने लगे। हम सबसे ज्यादा पुलिस को उसका बयान लेने की जल्दी थी। निधि होश में कम, बेहोशी में बड़बड़ाए जा रही थी–" छोड़ो.. छोड़ो.. दर्द.. हो.. रहा.. है.. तुम.. चार...गंदी..हरकत, मैं.. गाड़ी..से..कूद.." उसकी जुबान लड़खड़ा रही थी और वह जोर-जोर से सांसें ले रही थी। डॉक्टरों ने उसे नियंत्रित करने की बड़ी कोशिश की लेकिन उसकी जिंदगी फूलती सांसों से हार गई। जिंदगी की सरपट सड़क पर दौड़ती रुचिका अपने ही व्यंग्य बाणों से घायल थी-"दो वक्त की रोटी भी कमाकर नहीं खा सकती हो, कुछ तो शर्म करो, भरी जवानी में....।"

पुस्तक समीक्षा

सामाजिक प्रतिबद्धता व कलात्मक संतुलन है 'सदियों में गुज़रते पल'

समीक्षक

डॉ. कुमुद रामानंद बंसल

डॉ. नीरू मित्तल 'नीर' का लघुकथा संग्रह 'सदियों में गुज़रते पल' समकालीन हिंदी साहित्य में समय, समाज और संवेदना के अंतरसम्बंधों का गहन और सुस्पष्ट दस्तावेज है। यह कृति क्षणिक घटनाओं के पीछे छिपी उन संरचनात्मक सच्चाइयों को उद्घाटित करती है, जिनकी टीस सदियों तक बनी रहती है। शीर्षक का द्वंद्व 'पल' और 'सदियां'- व्यक्तिगत पीड़ा और सामूहिक स्मृति के बीच तनाव रचता है; यही तनाव इस संग्रह की वैचारिक धुरी भी है। विधागत दृष्टि से यह संग्रह समकालीन लघुकथा परंपरा में विवेक-प्रधान और नैतिक प्रश्नोन्मुख प्रवृत्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यहां कथाएं घटना-प्रधान सनसनी नहीं रचतीं, बल्कि विवेक को उकसाती हैं। लेखिका का सरोकार मनुष्य से है- उस मनुष्य से जो व्यवस्था में पिसता भी है और कभी-कभी उसी व्यवस्था का औज़ार भी बन जाता है। इसीलिए इन लघुकथाओं में प्रत्यक्ष उपदेश नहीं, बल्कि नैतिक असहजता का निर्माण है। संग्रह की उद्घाटन कथा 'सौदागर' सत्ता और राजनीति के यथार्थ को तीखे रूपक में ढालती है- जहाँ कंबल और राशन के बदले "दिमाग और आत्मा" खरीदे जाते हैं। सांप्रदायिक उन्माद पर आधारित 'अल्लाह और ईश्वर बह गए' में धर्म, भीड़ और हिंसा का गठजोड़ मानवीय विवेक को रक्तरंजित यथार्थ में बदल देता है। 'मैं ज़िंदा हूँ' तंत्र की त्रुटियों को इस हद तक उजागर करती है कि जीवित व्यक्ति अपनी पहचान से वंचित हो जाता है- यह संवेदनहीन व्यवस्था की तीखी आलोचना है। इस संग्रह का एक महत्त्वपूर्ण आयाम भीड़-मानसिकता और तमाशबीन समाज का विश्लेषण है। शिल्प की दृष्टि से लघुकथाएं सधी हुई हैं- भाषा सरल, संवाद स्वाभाविक और संरचना कसावपूर्ण। अंत चौंकाने के लिए नहीं, बल्कि सोच को गहरा करने के लिए आते हैं। डायरी-शैली, एकालाप और मानवेत्तर दृष्टि जैसे प्रयोग वैविध्य देते हैं, पर कथ्य पर हावी नहीं होते। इन रचनाओं की एक बड़ी शक्ति मौन का सौंदर्य है- शब्दों के बीच की रिक्तियां बोलती हैं, और वही अर्थ को गाढ़ा करती हैं। समग्रतः, सदियों में गुज़रते पल समकालीन हिंदी लघुकथा को वैचारिक गहराई, सामाजिक प्रतिबद्धता और कलात्मक संतुलन प्रदान करने वाला सशक्त संग्रह है। इसे पढ़कर पाठक राहत नहीं, असुविधा के साथ उठता है और यही गंभीर साहित्य की सबसे बड़ी सफलता है। यह कृति सहानुभूति से आगे बढ़कर आत्मपरीक्षण और नैतिक उत्तरदायित्व की मांग करती है; इसी में इसकी स्थायी साहित्यिक महत्ता निहित है।

डॉ. नीरू मित्तल 'नीर'

कवि कॉर्नर

कविता | डॉ. कमलेश मलिक

समय की धार

सुपर पावर देश का बन स्वामी महान
ट्रंप ले आया हास्य विनोद का सामान
चार्ली चैपलिन से करतब दिखा- दिखा
तान लिया है उसने कीर्ति का वितान

चाहा था शांतिदूत का मिले पुरस्कार
अब भर रहा प्रतिदिन युद्ध में हुंकार
रह गया उलझ कर अपने ही जाल में
कमजोर नहीं दुश्मन , दे रहा ललकार

वर्चस्व जमाने कभी पहुंचा था वियतनाम
आठ साल लड़कर भी हुआ था नाकाम
अफगानिस्तान ने भी छक्के छुड़ा दिए भाग
कर आकाश का आंचल लिया थाम।

इज़राइल ने खींच लिए अपने तीर कमान
ट्रंप महाशय हंस कर बदलते रोज बयान
कूटनीति या पटाक्षेप ? है विश्व अचंभित
रही-सही साख कहीं ना ले बैठे ईरान!

निष्फल सारे हो गये महाशक्ति के वाण
कोई चारा नहीं जो मिले तेल की खान
काट के घोड़े कहां लड़ें मैदानी जंग
अमरीकी जनता दे दे अपने गुरु को ज्ञान

चिंतक की मुद्रा में है भारत का व्यवहार
नाप रहा है, तोल रहा वह समय की धार
तूफ़ानी आहट का है आभास उसे भी जो
नौका पार उतारे वह ढूंढ रहा पतवार।

कविता | सुधीर ढांडा कौल

सांसें भी घुटने लगी

अब धीरे धीरे गर्मी बढ़ने लगी है,
देखो हर चीज अब तपने लगी है।

बिन बिजली के गाँव व शहर में,
देखो सांसें भी अब घुटने लगी हैं।

घर से बाहर कोई कैसे निकले,
गर्म गर्म हवाएं जो चलने लगी हैं।

लोग अपने घरों में दुबकने लगे,
बाजारों की रौनक भी खोने लगी हैं।

गर्मी से पशु पक्षी सब हाँपने लगे,
तालाब बावड़ी सब सूखने लगी हैं।

जानवर जंगल से दूर भागने लगे,
जंगल में आग जो सुलगने लगी है।

होंठ सूखे से रहते हैं अब 'सुधीर,
अब प्यास भी ज्यादा लगने लगी है।

नौरंगीलाल को मिल गया टिकट

व्यंग्य | मधुकांत

नौरंगीलाल शाम को अपने ड्राइंग रूम में बैठे टीवी पर समाचार देख रहे थे। लोकसभा के चुनाव की घोषणा हो चुकी, आचार संहिता लग गई। नौरंगीलाल 10 वर्ष से कच्चे कर्मचारियों के रूप में काम कर रहा है अर्थात 10 वर्ष से उसके सिर पर कच्चे धागे से बंधी तलवार लटक रही है। 10 वर्ष पुराना धागा कमजोर हो चुका है, फिर भी न जाने कब टूट जाए और तलवार उसके सिर पर गिरे और वह लहूलुहान हो जाए।

चुनाव की घोषणा से पूर्व 10 वर्ष पुराने कर्मचारियों को पक्का आश्वासन दे रखा था कि उनको पक्का कर दिया जाएगा। प्रतिदिन अखबार में शुभ समाचार सुनने के लिए उसकी आंखें थक गई थी। शुभ समाचार तो नहीं आया परंतु एक दिन अचानक चुनाव की तारीख घोषित हो गई। नारंगी लाल के सिर पर लटकती तलवार लटकती ही रह गई। समाचारों से विरक्त नौरंगी आजकल धार्मिक चैनल देखने लगे। आज भी वह आस्था चैनल पर भगवान राम को सीता हरण के बाद विलाप करते हुए देख रहे थे, तभी अचानक द्वार पर दस्तक हुई। सीता को उठाकर अट्टहास करते रावण का दृश्य देखकर नौरंगीलाल घबरा सा रहा था। इस घबराए मन से उठकर उसने द्वार खोला तो पांच खद्दरधारी नेताओं को देखकर चौंक गया, क्या मालूम रावण की भांति यह भी भेष बदलकर आए हों। आधा द्वार खोलकर उसने पूछा कहिए जनाब। अरे नौरंगीलाल जी, हम तो आपके लिए खुशखबरी लाए हैं और आप मिठाई खिलाने के बदले अभी

पूरे क्षेत्र का सर्वेक्षण करवाया गया है, जिसमें सबसे अधिक ईमानदार व्यक्ति आपको ही पाया है, इसलिए नेताजी ने कल आपको पार्टी कार्यालय में बुलाया है।

तक हमें द्वार पर ही रोक हुए हो। द्वार के सामने से हटते हुए नौरंगीलाल ने पूछा क्या खुशखबरी है भाई मेरे लिए। पांचों खद्दरधारी अंदर जाकर सोफे पर बैठ गए। नेताजी यानी एमपी साहब इस चुनाव में आपको अपनी पार्टी से टिकट दिलवाना चाहते हैं। मुझे...मुझे क्यों भाई, नारंगी के चेहरे पर आश्चर्य से हवाइयां उड़ने लगी। ... क्योंकि आप इस क्षेत्र के सबसे ईमानदार व्यक्ति हो, हमारी पार्टी का नाम भी ईमानदार पार्टी है इसलिए एमपी साहब ने फैसला किया है कि अपने क्षेत्र के सबसे ईमानदार व्यक्ति से चुनाव लड़वाएंगे। पूरे क्षेत्र का सर्वेक्षण करवाया गया है, जिसमें सबसे अधिक ईमानदार व्यक्ति आपको ही पाया है, इसलिए नेताजी ने कल आपको पार्टी कार्यालय में बुलाया है नारंगीलाल जी मेरा नाम रामधन है, चुनाव जीतने के बाद आप हमको भूल नहीं जाना। नौरंगीलाल के सीने में आत्मविश्वास भर गया। चुनाव के लिए धन कहां से आएगा उन्होंने अपनी शंका प्रकट की। नौरंगीलाल जी, आप चिंता न करें नेताजी को सब पता है। ईमानदार आदमी के पास धन नहीं होता इसलिए आप पार्टी फंड से चुनाव लड़ेंगे।

नारंगी ने कभी सोचा भी नहीं था कि बिल्ली के भागों से चिक टूट पड़ेगा। यूं स्कूल में हिंदी अध्यापक ने एक बार निबंध लिखवाया था कि यदि मैं शिक्षा मंत्री बन जाऊं, निबंध में सबसे अधिक अंक उसके ही आए थे। नारंगी लाल ने कहा कि भाई साहब, आपकी बात तो ठीक है, अपने देश में नेताजी तो ईमानदार होने ही चाहिए, फिर भी भाई साहब, एक बार मैं अपनी पत्नी से पूछ लेता हूं क्योंकि मैंने उनके साथ सात फेरे लेते हुए वचन दिया था कि विशेष फैसलों का निर्णय लेते हुए मैं उनकी सलाह अवश्य लूंगा। उत्साह से नौरंगी लाल अंदर कमरे में चले गए। पत्नी भी दरवाजे की ओर खड़ी सब सुन रही थी। नौरंगी का कमीज खींच कर कोने में ले गई और बोली कि तुरंत हां कर दो जी, ऐसा मौका बार-बार नहीं आएगा। एक बार चुनाव जीत गए तो जन्म-जन्म की गरीबी धुल जाएगी। अरे क्या कह रही हो, ईमानदारी के कारण तो हमको टिकट मिल रहा है और तुम क्या बात करती हो। सब नेता लोग ईमानदार ही होते हैं और कोई व्यवसाय व्यापार भी नहीं करते, फिर भी उनकी धन-संपत्ति बढ़ती ही रहती है। जाओ, जल्दी से हां कर दो... कहते हुए पत्नी ने नौरंगी लाल को बाहर की ओर धकेल दिया। बैठक में पहुंचते ही नौरंगी लाल ने कहा कि टीनू की मम्मी ने हां कर दी है।

बहुत अच्छा... अब आपका टिकट पक्का समझो, हां चुनाव जीतकर हम पांचों को भूल नहीं जाना। मेरा नाम धनीराम है और कल 10:00 बजे आप तैयार रहना, मैं आपको गाड़ी में अपने साथ पार्टी कार्यालय ले जाऊंगा। तीसरे खद्दरधारी ने कहा ..अब हम चलते हैं। अरे भाई, कुछ चाय-नाश्ता नहीं करोगे क्या? नौरंगी ने औपचारिकतावश कहा। कल आपके साथ पार्टी कार्यालय में ही पार्टी करेंगे, पांचों खद्दरधारी हाथ मिलाकर बाहर निकल गए। उनके जाते ही नौरंगी की पत्नी तुरंत आ धमकी। टीनू के पापा, कमाल हो गया। अब आप बन जाओगे मंत्री जी लोग मुझे भी मंत्रानी जी पुकारेंगे। ईमानदार पार्टी ने तो हमारे लिए कमाल ही कर दिया भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं।

भागवान तू तो रोज मेरी ईमानदारी पर ताना मारती थी, मुझे रिश्वत लेने पर विवश करती थी।

क्या बात करते हो जी? मैं तो आपसे मजाक करती थी, मुझे अच्छे से मालूम है कि ऑनेस्टी इस द बेस्ट पॉलिसी और इसी ईमानदारी ने आपको टिकट दिलवाया है।

मोटिवेशनल

आत्म-अनुशासन ही सफलता की कुंजी

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

आज का युवा सफल होना चाहता है। अच्छा करियर, पहचान, सम्मान और आत्मनिर्भर जीवन। अवसर भी पहले से कहीं अधिक हैं, संसाधन भी उपलब्ध हैं, लेकिन इसके बावजूद असंतोष, भ्रम और असफलता की भावना बढ़ती जा रही है। इसका कारण प्रतिभा या अवसरों की कमी नहीं, बल्कि उस मूल गुण की अनदेखी है जिस पर सफलता टिकती है: आत्म-अनुशासन। हम अक्सर प्रेरणा की तलाश में रहते हैं। मोटिवेशनल वीडियो देखते हैं, किताबें पढ़ते हैं, सेमिनार सुनते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि प्रेरणा क्षणिक होती है, जबकि आत्म-अनुशासन वह शक्ति है जो बिना प्रेरणा के भी हमें आगे बढ़ाता है। जब मन न हो, तब भी सही काम करना, यही आत्म-अनुशासन है। आत्म-अनुशासन का अर्थ है, आराम से बाहर निकलकर प्रयास करना, बहानों को पहचानकर उनसे ऊपर उठना और लक्ष्य के प्रति ईमानदार रहना। दुनिया का कोई भी सफल व्यक्ति केवल प्रतिभा या भाग्य के कारण नहीं, बल्कि अनुशासन के कारण आगे बढ़ा है। प्रतिभा अवसर दिला सकती है, लेकिन अनुशासन ही उस अवसर को परिणाम में बदलता है। आज की सबसे बड़ी चुनौती अवसरों की कमी नहीं है, बल्कि ध्यान भटकाने वाले साधनों की भरमार है। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, तुरंत सफलता की चाह और दूसरों से तुलना: ये सभी युवा को अस्थिर बनाते हैं। ऐसे समय में आत्म-अनुशासन ही वह कवच है, जो व्यक्ति को अपने लक्ष्य पर टिके रहने की शक्ति देता है। आत्म-अनुशासन किसी एक दिन में विकसित नहीं होता। यह रोज़ के छोटे-छोटे निर्णयों से बनता है। समय पर उठना, रोज कुछ नया सीखना, स्क्रीन टाइम को सीमित करना, जिम्मेदारी निभाना और खुद से किया गया वादा निभाना। यही छोटी आदतें लंबे समय में बड़े परिणाम देती हैं। आज का युवा चाहे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा हो, सरकारी नौकरी का सपना देख रहा हो, स्टार्टअप शुरू करना चाहता हो या किसी कौशल में विशेषज्ञ बनना चाहता हो- हर रास्ते की पहली शर्त आत्म-अनुशासन है। बिना अनुशासन के मेहनत बिखर जाती है। हमें यह भी समझना होगा कि असफलता अंत नहीं है। असफलता अक्सर अनुशासन की परीक्षा होती है। जो युवा गिरकर सीखता है और अनुशासन के साथ दोबारा उठता है, वही आगे चलकर मजबूत बनता है। आज जरूरत प्रेरणा से अधिक अनुशासन की है क्योंकि आत्म-अनुशासन ही वह आदत है, जो हर सपने को हकीकत में बदलने की ताकत रखती है।

लघु कथा

नैतिकता

डॉ. तबस्सुम जहां

कहानीकार

'सर आपको जन्मदिन बहुत-बहुत मुबारक।'

ओह संगीता, बहुत शुक्रिया। क्या हमारे जन्मदिन पर मुंह मीठा नहीं कराओगी?

संगीता को खटका हुआ। सर के इस वाक्य का आशय वह भली-भांति जानती है। एक साल से वह झेल रही है कि उसके निर्देशक कैसे पढ़ाते -पढ़ाते बिना बात विषय प्रेम और सेक्स से जोड़ देते हैं। वह अक्सर उनकी इन हरकतों पर सकपका जाया करती थी। चूंकि संगीता एक खुद्दार और स्वाभिमानी लड़की थी इसलिए डॉ. विमल कुमार के किसी झांसे में नहीं फंसती थी। कभी सख्ती से उनसे बोल भी देती 'प्लीज़ सर मुझसे ऐसी बातें न किया करें।'

उनकी बातों के लिजलिजेपन को वो बीते एक साल से झेल रही थी पर पीएचडी अटक जाने के डर से न तो सुपरवाइज़र बदल सकती थी और न ही परिस्थितियों से भाग सकती थी। और डॉ. विमल कुमार थे कि जब-तब उसके सामने प्रेम आग्रह करते रहते।

उस दिन भी विमल कुमार ने उसे टोका- 'फिर क्या सोचा संगीता तुमने'

'माफ़ कीजिए सर, आप मेरे गुरु हैं, मैं आपको पिता तुल्य मानती हूं। मेरी नैतिकता इसकी इजाज़त नहीं देती। आप मेरे पिता समान हैं।'

'तो एक काम करो, तुम मुझे पिता समझ कर गले लगा लो और मैं तुम्हें अपनी गर्लफ्रेंड समझ कर गले लगा लेता हूँ।' दोनों की नैतिकता बची रहेगी।

संगीता के शरीर में काटो तो खून नहीं। वह आवाक़ रह गई। आज उसे नैतिकता का नया पाठ पढ़ाया गया है, वो भी शिक्षा के मंदिर में। उसने घृणा से सिर झुका लिया।

कुछ हटकर

बी. टेक सीएससी के बाद करियर विकल्प

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

डिजिटल युग के सबसे प्रतिष्ठित पेशे बी.टेक (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) एक चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को कंप्यूटर सिस्टम, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डेटा प्रोसेसिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नेटवर्किंग जैसी आधुनिक तकनीकों की गहन समझ प्रदान करता है। इस कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को प्रोग्रामिंग लैंग्वेज , डेटा स्ट्रक्चर, एल्गोरिद्म, डेटाबेस मैनेजमेंट, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी और मशीन लर्निंग जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल कोडिंग सिखाना नहीं है, बल्कि उन्हें तकनीकी समस्या समाधान, तार्किक सोच, और नवाचार की दिशा में सक्षम बनाना है।

उच्च शिक्षा के मौके

कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में अनेक शाखाएँ हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं। बी.टेक सीएसई के बाद विद्यार्थी अपनी पढ़ाई आगे बढ़ाकर विशेषज्ञता और करियर अवसर दोनों बढ़ा सकते हैं।

उच्च शिक्षा कार्यक्रम

- मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी
- मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन डेटा एनालिटिक्स
- साइबर सिक्योरिटी, या क्लाउड कंप्यूटिंग
- अंतरराष्ट्रीय सर्टिफिकेशन
- अमेज़न वेब सर्विस
- माइक्रोसॉफ्ट अजोर
- गूगल क्लाउड
- सिस्को सीसीएनऐ
- कॉम्प टीए सिक्योरिटी

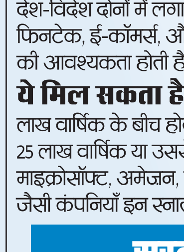

आवश्यक कौशल

कंप्यूटर साइंस स्नातकों के लिए केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं है। सफल करियर के लिए विद्यार्थियों में तार्किक एवं विश्लेषणात्मक सोच, समस्या समाधान और नवाचार की क्षमता, प्रोग्रामिंग एवं कोडिंग दक्षता, डेटा विश्लेषण एवं साइबर सुरक्षा समझ आदि क्षमताओं का होना आवश्यक है।

निजी क्षेत्र में विकल्प

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के इस युग में बी.टेक सीइसई स्नातकों की मांग देश-विदेश दोनों में लगातार बढ़ रही है। टेक कंपनियां, बैंकिंग सेक्टर, फिनटेक, ई-कॉमर्स, और क्लाउड-आधारित उद्योगों में इनकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

ये मिल सकता है वेतन : निजी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन 4 से 8 लाख वार्षिक के बीच होता है, जो अनुभव और विशेषज्ञता के साथ 15 से 25 लाख वार्षिक या उससे अधिक तक पहुँच सकता है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न, इनफ़ोसिस, टीसीएस, एक्सेंचर, और आईबीएम जैसी कंपनियाँ इन स्नातकों को उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती हैं।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक उपक्रमों में भी कंप्यूटर साइंस स्नातकों के लिए अनेक अवसर उपलब्ध हैं। विद्यार्थी तकनीकी सेवाओं, अनुसंधान, साइबर सुरक्षा और डेटा प्रबंधन से जुड़ी सरकारी नौकरियों में योगदान दे सकते हैं।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातक की प्रारंभिक आय 4 से 6 लाख वार्षिक होती है, जबकि उच्च पदों और अनुभव के साथ यह आय 12 से 15 लाख वार्षिक तक हो सकती है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

खुले आसमान के नीचे ट्रैक्टर ट्रालियों को छोड़कर दिन-रात रखवाली करनी पड़ रही

माजरा गांव की मंडी में नहीं शुरू हुई गेहूं की सरकारी खरीद, किसान परेशान

- मौसम बिगड़ने से फसल खराब होने का भी डर सता रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव माजरा स्थित अनाज मंडी में गेहूं की सरकारी खरीद शुरू नहीं होने के कारण किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि गांव माजरा की अनाज मंडी में माजरा दूबलधन, सिवाना, अच्छेज पहाड़ीपुर, पिलाना, बिगोवा, इमलोटा तथा गोधड़ी आदि गांवों के किसान अपनी फसल लेकर आते हैं, लेकिन अबकि बार किसी भी खरीद एजेंसी का कोई भी कर्मचारी खरीद के लिए नहीं आया है। इसके कारण काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अनाज मंडी परिसर में जलभराव न हो, इसके लिए रेत डाली गई है। लेकिन मंडी में अब तक शेड व फड़ों की व्यवस्था नहीं हो पाई है।

पेयजल व बिजली की भी अपर्याप्त व्यवस्था है। किसान हरिओम, मक्खन सिंह, मोनू, अजय आदि ने बताया कि किसान ट्रैक्टर ट्राली लेकर मंडी में गए थे परंतु वहां पर कोई भी आढ़ती व कर्मचारी नहीं पाया। उन्होंने अब खुले आसमान के नीचे ट्रैक्टर ट्रालियों को छोड़कर दिन-रात रखवाली करनी पड़ रही है।

उन्होंने कहा कि मौसम खराब होने से फसल खराब होने का भी डर सता रहा है। मंडी में खरीद जल्द शुरू की जाए और किसानों व आढ़तियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने कहा कि अगर जल्द उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाता है तो किसान आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

झज्जर। अनाज मंडी का बंद पड़ा गेट और बाहर खड़ा ट्रैक्टर ट्राली। फोटो: हरिभूमि

बहादुरगढ़। अनाज मंडी में गेहूं की सफाई करते कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

झज्जर। अनाज मंडी परिसर में लगी गेहूं की ढेरियां। फोटो: हरिभूमि

बहादुरगढ़ में 3 तो आसौदा में 95 गेट पास काटे

बहादुरगढ़। अनाज मंडी में गेहूं की आवक गति पकड़ रही है, जबकि किसान निजी आढ़तियों को ही सरसों बेच रहे हैं। रविवार को बहादुरगढ़ की अनाज मंडी में 3 सरकारी गेट पास कटे, जबकि आसौदा में 95 गेट पास जारी हुए। बहादुरगढ़ में 180 क्विंटल फसल तो आसौदा में 4883 क्विंटल फसल आई। अब तक दोनों मंडियों में कुल 10553 क्विंटल फसल आ चुकी है। हालांकि फसल में नमी के कारण किसान परेशान हैं। मौसम की बेरुखी और बारिश के डर से उनकी रातों की नींद उड़ी हुई है।

18196 मीट्रिक टन गेहूं आया, लिफ्टिंग तेज करने के निर्देश

- जिले की मंडियों में रबी सीजन के तहत सरसों व गेहूं की खरीद प्रक्रिया जारी

झज्जर। जिले की मंडियों में रबी सीजन के तहत सरसों व गेहूं की खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से की जा रही है। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि जिले में कुल तीन सौ छह मीट्रिक टन सरसों और 18 हजार 196 मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज हुई है। उन्होंने कहा कि खरीद एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को उपज का समय पर भुगतान किया जाए ताकि उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े। लिफ्टिंग कार्य में तेजी लाई जाए ताकि मंडियों में जगह की कमी न हो और नई फसल की आवक बाधित न हो। खरीद एजेंसियों द्वारा स्टोरेज व्यवस्था को बेहतर ढंग से प्रबंधित किया जाए, जिससे खरीदी गई उपज का सुरक्षित भंडारण किया जा सके। किसानों की सुविधा के लिए अनाज मंडियों में जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने अनाज को तय मानकों के अनुसार सुखाकर ही मंडियों में लेकर आएं, ताकि उनकी उपज बिना किसी रुकावट के खरीदी जा सके। उन्होंने बताया कि सरसों की उपज में नमी की मात्रा आठ प्रतिशत और गेहूं उपज में 12 से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

ग्रामीणों को किया नशे के दुष्प्रभाव, डायल 112 व साइबर फ्रॉड के प्रति जागरूक

- युवाओं से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को नशा मुक्ति टीम द्वारा क्षेत्र के गांव मारौत व जहाजगढ़ में डोर टू डोर जाकर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव, डायल 112 व साइबर फ्रॉड के प्रति जागरूक किया। प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा ग्रामीणों को समझाया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति और सामाजिक माहौल को भी प्रभावित करता है। विशेष रूप से युवाओं से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की गई। इसके साथ ही ग्रामीणों को साइबर फ्रॉड के मामलों के प्रति भी जागरूक किया गया। पुलिस ने फर्जी कॉल, ओटीपी मांगने, लिंक भेजकर ठगी करने और ऑनलाइन धोखाधड़ी के तरीकों के बारे में जानकारी दी तथा उनसे बचाव के उपाय बताए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करने की सलाह दी गई और आपातकालीन स्थिति में डायल 112 का प्रयोग करें। आपके आसपास अगर कोई नशा की खरीद फिरोख्त करता है तो उसकी जानकारी मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर दें। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

झज्जर। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए पुलिस कर्मी। फोटो: हरिभूमि

सड़क निर्माण के बाद पुलिया बनाना भूला विभाग, उड़ रही धूल से बनी परेशानी

झज्जर। सड़क निर्माण के दौरान अधूरी छोड़ी गई पुलिया। फोटो: हरिभूमि

झज्जर। पुराना बर्फखाना मार्ग पर सड़क निर्माण के बाद पुलिया निर्माण न होने से राहगीरों व दुकानदारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदार पुरूषोतम गुलिया ने बताया कि नगर परिषद द्वारा पुराना बर्फखाना रोड पर छिक्कारा चौक तक नई सड़क बनाई गई है। सड़क को बनाए करीब दो माह हो चुके है। कर्मचारियों द्वारा सड़क निर्माण के बीच में आने वाली दो पुलिया को कच्चा छोड़ दिया गया था। अब दो माह बाद भी ये छोटे-छोटे दो टुकड़े उसी हालत में हैं, जिस कारण राहगीरों को परेशानी आ रही है। यह उबड़-खाबड़ टुकड़े सड़क के नवीनीकरण को धुमिल कर रहे हैं वहीं कच्ची जगह से गुजरने वाले वाहनों को भी परेशानी आती है। दिनभर धूल उड़ने के कारण दुकानदारों का बैठना भी मुश्किल हो रखा है। उनका कहना है कि पहले जहां वे सड़क न बनने के कारण परेशान थे अब रास्ता शुरू होने के बाद भी उन्हें परेशानी आ रही है। नगर परिषद को चाहिए कि वह शीघ्र पुलिया निर्माण कराकर उन्हें समस्या से छुटकारा दिलाया जाए। वहीं नगर परिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने कहा कि मामला अब उनके संज्ञान में आया है। जल्द ही पुलिया निर्माण कार्य पूरा करवा दिया जाएगा। उनका प्रयास यही है कि आमजन को परेशानी ना हो।

बहादुरगढ़। केक काटकर जन्मदिन मनाते विकास वाल्मीकि। फोटो: हरिभूमि

भाजपा जिलाध्यक्ष ने केक काटकर मनाया जन्मदिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को शहर के बाईपास पर भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि का 32वां जन्मदिन मनाया गया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली व भाजपा नेता दिनेश कौशिक समेत अन्य की मौजूदगी में विकास वाल्मीकि ने केक काटा। मोहनलाल बड़ौली ने उनकी लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर दयाकिशन जांगड़ा, सोनू मान, प्रिंस देशवाल, हरीश दलाल और प्रवीण पाराशर आदि मौजूद रहे।

झाड़ली रेलवे स्टेशन पर किया आमजन प्याऊ का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को आमजन विकास सेवा समिति द्वारा संचालित आमजन प्याऊ का रेलवे स्टेशन झाड़ली पर शुभारंभ किया गया। श्याम लाल जांगडा व सुरेश फौजी ने कहा कि संस्था द्वारा लगातार पांच वर्षो से रेलवे-स्टेशन झाड़ली पर आमजन प्याऊ चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा अनेकों सामाजिक कार्य किए जा रहे है। उन्होंने आमजन से समाज सेवा के लिए सहयोग की अपील की। इस मौके पर सन्नी कुमार, मन्गौरी सेवा समिति के सदस्य संदीप कुमार, बाबूलाल, सोनू देवी, नीलम देवी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित समिति के पदाधिकारी एवं अन्य। फोटो: हरिभूमि

सामाजिक आयोजन में हिंसा दुर्भाग्यपूर्ण

- भाजपा अपने कार्यकर्ता के सम्मान के लिए उसके साथ खड़ी

ओमप्रकाश धनखड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सामाजिक आयोजन में हिंसा पर उतारू होना ठीक नहीं है। सभ्य समाज में पूरी तरह से यह अमान्य और अस्वीकार्य है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने रविवार को स्थानीय सेक्टर नौ में आयोजित एक सामाजिक कार्यक्रम में भाजपा नेता संत सुरेहती के साथ हुई मारपीट की घटना पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि पीड़ित पक्ष की शिकायत पर आरोपियों की ठीक से पहचान कर कानून को पूरी सख्ती से अपना कार्य करना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी असामाजिक हरकत करने की हिम्मत न करें। उन्होंने कहा कि सामाजिक कार्य सभी के साझा कार्यक्रम होते हैं , और सर्व समाज के हित के लिए आयोजित होते हैं। सामाजिक कार्यों की सफलता और असफलता भी सबकी साझा होती है। इसलिए समाज के प्रबुद्धजनों की जिम्मेदारी बनती है कि ऐसे असामाजिक तत्वों को सामाजिक रूप से कड़ा संदेश दें ताकि भविष्य में ऐसी हरकत करने से पहले सौ बार सोचें। भाजपा अपने कार्यकर्ता के सम्मान के लिए उसके साथ खड़ी है।

कंपनी के स्क्रैप में लगी आग से हड़कंप फायर ब्रिगेड ने तुरंत पाया काबू

कसोला। बावल औद्योगिक एरिया सेक्टर-8 की एक कंपनी में रविवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जबकि कंपनी में रखे स्क्रैप में अचानक आ लग गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने तुरंत आग पर काबू पाया, जिससे नुकसान से होने से बच गया। वांगफान एल्यूमिनियम कंपनी में एक ओर गत्ते का स्क्रैप पड़ा हुआ है। दोपहर के समय अचानक स्क्रैप से धुआं निकलना शुरू हो गया। कंपनी कर्मचारियों ने खुद आग पर काबू पाने के प्रयास किए। साथ ही फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गए। फायर ब्रिगेड ने कुछ देर बाद आग पर काबू पा लिया। जल्द काबू पाए जाने के कारण आग फैलने से बच गई, जिससे कंपनी में बड़ा नुकसान होने से टल गया। आग पर काबू पाए जाने के बाद प्रबंधन ने राहत की सांस ली। पुलिस के अनुसार आग इत्तफाकिया लगी है। प्रबंधन की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

पूर्व मंत्री की चोरीशुदा गाड़ी से शराब तस्करी, आरोपी काबू

- सीआईए के हत्थे चढ़े स्कॉर्पियो खरीदने के आरोपी
- गत 28 मार्च को पूर्व मंत्री के सेक्टर-3 निवास से चोरी हुई थी कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गत 28 मार्च को पूर्व मंत्री जसवंत के सेक्टर-3 निवास से चोरी हुई स्कॉर्पियो गाड़ी को सीआईए कोसली ने राजस्थान से बरामद करने में सफलता हासिल की है। चोरी की गाड़ी से शराब की तस्करी की जा रही थी। पुलिस ने चोरी की गाड़ी खरीदने के मामले में दो आरोपियों को जोधपुर से गिरफ्तार किया है। पूर्व मंत्री ने कुछ दिन पहले ही नई स्कॉर्पियो गाड़ी खरीदी थी। 28 मार्च की रात चोर गाड़ी का पिछला शीशा तोड़ने के बाद उसे लेकर फरार हो गए थे। पूर्व मंत्री की शिकायत पर मॉडल टाउन थाना पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया था। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने मामले की जांच सीआईए को सौंपी थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार सीआईए कोसली को सूचना मिली थी कि चोरी की गई गाड़ी का इस्तेमाल जोधपुर में शराब तस्करी में किया जा रहा है। सूचना मिलने के बाद सीआईए की टीम ने जोधपुर जाकर गाड़ी बरामद कर ली। गाड़ी खरीदने वाले दो लोगों को भी पुलिस ने धर दबोचा। सीआईए ने अब गाड़ी चोरी करने वाले लोगों का पता लगाने के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश देना शुरू कर दिया है।

14 को हथीन जाएंगे बसपा कार्यकर्ता

बहादुरगढ़। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्मदिन पर बसपा कार्यकर्ता 14 अप्रैल को पलवल के हथीन में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। बसपा जिलाध्यक्ष सतबीर जाखौदा ने बताया कि इस संबंध में हुई बैठक में सभी ने ज्यादा संख्या में वहां पहुंचने का संकल्प लिया। बैठक में बसपा के प्रदेश महासचिव हेमचंद्र मेहरा, जिला प्रभारी अमित महराना, महासचिव रामचंद्र दुजाना, कैलाश दुजाना, कपिल दुजाना, राजबीर, रमेश कुमार, सुरेंद्र सिंह, रिसाल सिंह, शारदा व कांता आदि उपस्थित रहे।

भांडोर में शहीद कैलाश चंद की प्रतिमा का स्वास्थ्य मंत्री ने किया अनावरण

स्वास्थ्य मंत्री ने स्वीकारा, सरकारी अस्पतालों में सुधार की जरूरत

रेवाड़ी। कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए आरती राव। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

प्रदेश की कैबिनेट मंत्री आरती सिंह राव ने स्वीकार किया कि रोहतक पीजीआई से लेकर प्रदेश के सरकारी अस्पतालों की दशा में व्यापक सुधार की जरूरत है। प्रदेश सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठा रही है। पीजीआई के निदेशक को बैठक के लिए चंडीगढ़ बुलाया गया है। उनके साथ चर्चा के बाद खामियों को दूर करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। आरती राव रविवार को कुंड में डा. संजय मेहरा के निवास पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। उन्होंने कहा कि हाल में ही पीजीआई का दौरा करने के बाद उन्हें काफी खामियां नजर आईं। इस समय पीजीआई में 200 तरह की दवाएं उपलब्ध हैं। पीजीआई दवाओं की खरीद सरकार के माध्यम से नहीं, बल्कि खुद आवश्यकता के अनुसार करता है। निरीक्षण के दौरान खामियां पाने जाने के बाद उन्होंने निदेशक को चंडीगढ़ बुलाया है। मीटिंग में खामियों को दूर करने की दिशा में आवश्यक फैसले लिए जाएंगे। उन्होंने यह भी स्वीकार किया प्रदेश के कई सरकारी अस्पतालों में जहां बिल्डिंग दयनीय हालत में हैं, वहीं सफाई व्यवस्था भी चरमराई हुई है। इसमें बदलाव की दिशा में भी जल्द ठोस कदम उठाए जाएंगे।

सरकार हर कदम पर शहीदों के साथ

आरती सिंह राव ने शहीद की वीरांगना भतेरी देवी और उनके परिवारजनों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है। उन्होंने ग्रामीणों द्वारा रखी गई मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने और विधायक कृष्ण कुमार ने इस मौके पर गांव में विकास कार्य कराने के लिए 11-11 लाख रुपये देने की घोषणा की।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली, जिला परिषद चेयरमैन मनोज यादव, भाजपा नेता अनिल रायपुर, रामपुरा सरपंच नरेश यादव, सरपंच नरेश कुमार, सरपंच विकास, डा. संगीता मेहरा, पूर्व जिला प्रमुख डा. शुभ्रा यादव, डा. अरविंद यादव, सरपंच रामकला, चेतन सरपंच, संजय सरपंच, नीलम, खुशबू, डा. आनंद राज शर्मा, सरपंच देशराज, पवन बजाज, अभय सिंह गुनवाल, भाजपा जिला महासचिव दिनेश यादव टींट, सुभाष यादव, विकास बड़खोदा, ब्लॉक समिति चेयरमैन करणपाल, सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

दुल्हेड़ा में घर से गैस सिलेंडर चोरी

बहादुरगढ़। गांव दुल्हेड़ा में घर से गैस सिलेंडर चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़िता शकुंतला ने थाना बादली में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, शकुंतला शनिवार रात करीब 12 बजे जागरण में गई थीं और सुबह लगभग साढ़े 5 बजे घर लौटीं। घर पहुंचकर जब वह चाय बनाने के लिए रसोई में गईं तो वहां गैस सिलेंडर गायब मिला। आसपास पूछताछ करने पर पता चला कि गांव के ही दो युवक सुमित और अमित सिलेंडर चोरी कर ले गए। पीड़िता ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और चोरी हुआ सिलेंडर बरामद कराने की मांग की है। थाना बादली पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 305 व 331 (4) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

रेलवे रोड पर ट्रक ड्राइवर से मोबाइल छीना

बहादुरगढ़। अज्ञात युवकों द्वारा एक ट्रक ड्राइवर से मोबाइल फोन छीनने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार यूपी के रायबरेली का रहने वाला रणजीत नया गांव बाईपास पर स्थित स्टॉक पर ट्रक चलाता है। मालिक से 50 हजार रुपये लेने के बाद वह अपने गांव जाने के लिए निकला था। ई-रिक्शा से झज्जर मोड़ पर उतरने के बाद वह पैदल जा रहा था। रेलवे रोड पर दो अज्ञात युवकों ने जबरदस्ती उसका मोबाइल फोन छीन लिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) व 3(5) के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक घायल

बहादुरगढ़। शहर के बाईपास पर सीएनजी पंप के निकट शनिवार शाम को एक सड़क हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान दीपक के रूप में हुई है। दिल्ली निवासी जगबीर सिंह ने बताया कि उनका बेटा दीपक अपने पैतृक गांव बहराणा से दिल्ली लौट रहा था। लेकिन बहादुरगढ़ बाईपास पर एक तेज रफ्तार कार ने दीपक की कार को टक्कर मार दी। हादसे में दीपक की गाड़ी पलट गई और उसे गंभीर चोटें आईं। उसे उपचार के लिए पहले जीवन ज्योति अस्पताल लाया गया और बाद में गुरुग्राम के निजी अस्पताल में रेफर किया गया। घटना के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। पीड़ित परिवार ने पुलिस से आरोपी चालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

बसंत विहार कॉलोनी में 12 तक प्रतिदिन 2 बजे से शाम 6 बजे तक होगी कथा

कलशयात्रा के साथ शुरू हुआ श्री शिव महापुराण कथा महोत्सव

कथा व्यास आचार्य विष्णु कौशिक महाराज ने कहा कि शिव महापुराण कथा के श्रवण से जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। रविवार को कलश यात्रा निकालती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

बसंत विहार कॉलोनी में रविवार को भव्य कलश यात्रा के साथ श्री शिव महापुराण कथा महोत्सव का शुभारंभ हुआ। सुबह 8 बजे प्रारंभ हुई कलश यात्रा में बड़ी संख्या में माताओं-बहनों ने सिर पर कलश धारण कर भाग लिया और श्रद्धा व भक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

कलशयात्रा प्राचीन शक्ति पीठ देवी मंदिर से शुरू होकर कथा पंडाल तक पहुंची, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान कथा व्यास आचार्य विष्णु कौशिक महाराज ने कहा कि शिव महापुराण कथा के श्रवण से जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से कथा में नियमित रूप से शामिल होने का आह्वान किया। पंडित महेश चंद्र शर्मा ने बताया कि यह कथा 5 अप्रैल से 12 अप्रैल तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित की जाएगी।

इसके समापन पर 12 अप्रैल को भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव के पहले ही दिन श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में लोगों ने कथा स्थल पर पहुंचकर पुण्य लाभ कमाया।

बहादुरगढ़। चतुर्थ श्याम संकीर्तन के दौरान भक्तिरस में डूबी महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

नंदीशाला में हुए वार्षिक श्याम संकीर्तन में उमड़े श्रद्धालु

बहादुरगढ़। शहर के अंबेडकर स्टेडियम के नजदीक मेला ग्राउंड स्थित नंदीशाला में चतुर्थ वार्षिक श्याम संकीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और भजनों पर झूमते हुए भक्ति रस में सराबोर हो गए। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 5 बजे से हुई, जो देर रात तक प्रभु इच्छा अनुसार चलता रहा। संकीर्तन के दौरान श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के भजनों का आनंद लिया और पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। रात्रि 8 बजे से प्रसाद सेवा भी प्रारंभ की गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। भजन संध्या के दौरान मांगेराम अत्री, हेमंत ठाकुर, सोनू सिंगला, गौरव गर्ग, सुरेंद्र पंकज व पंडित देव परासर आदि ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। नंदीशाला का संचालन करने वाली गौधन सेवा समिति के अध्यक्ष रमेश राठी व बिजेंद्र राठी ने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजनों के माध्यम से गौ माता एवं नंदी महाराज के लिए वर्षभर का सूखा चारा एकत्रित किया जाता है। कार्यक्रम में शिरकत करते हुए चेयरपर्सन सरोज राठी ने सभी गोसेवकों और श्रद्धालुओं से गोवंश की सेवा कर पुण्य के भागीदार बनने की अपील की।

बहादुरगढ़। हरिनाम संकीर्तन के दौरान नाचती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

विवेकानंद नगर में नगर कीर्तन निकाला

इस्कॉन के हरिनाम संकीर्तन में बही भक्ति की बयार

करताल एवं मृदंग की गूंज ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक एवं भक्तिमय बनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

इस्कॉन बहादुरगढ़ द्वारा विवेकानंद नगर में भव्य नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मधुर कीर्तन और भक्ति नृत्य किया। कीर्तन के दौरान करताल एवं मृदंग की गूंज ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक एवं भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के भजनों और हरिनाम संकीर्तन के साथ पूरे क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय बना दिया।

दिल्ली रोहतक रोड पर आरजे अस्पताल के सामने श्री मदन गोपाल से नगर कीर्तन की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद भक्तों की टोलियां हाथों में ध्वज और मृदंग-झांझ लेकर कीर्तन करते हुए विवेकानंद नगर की विभिन्न गलियों से होकर गुजरीं। 'हरे कृष्ण, हरे राम' के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। कार्यक्रम में महिला, पुरुष एवं बच्चों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। स्थानीय निवासियों ने भी जगह-जगह पुष्पवर्षा कर कीर्तन मंडली का स्वागत किया और प्रसाद वितरण किया गया। इस्कॉन बहादुरगढ़ के पदाधिकारी नित्यानंद आश्रयदास ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ाना और आपसी भाईचारे को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजन न केवल भक्ति की भावना को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि समाज में सद्भाव और एकता का संदेश भी देते हैं। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के प्रसंगों के साथ-साथ जीवन को आध्यात्मिक दृष्टिकोण से जीने की प्रेरणा दी जा रही है।

बहादुरगढ़। विवेकानंद नगर में संकीर्तन करते इस्कॉन के अनुयायी। फोटो : हरिभूमि

सेवानिवृत्ति पर किया प्रदीप का अभिनंदन

बहादुरगढ़। दिल्ली की रोहिणी जिला न्यायालय से सहायक स्टाफ के पद पर लगभग 21 वर्ष 9 माह की सेवा के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने वाले प्रदीप राठी का डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन सांखोल द्वारा अभिनंदन किया गया। फाउंडेशन महासचिव प्रदीप तंवर ने विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रदीप राठी की सराहना की। शीला नफे सिंह राठी, दिल्ली बार परिषद के पूर्व सह-अध्यक्ष संजय राठी, राठी खाप के प्रवक्ता अशोक राठी, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल शर्मा, संजय जून, मंगू नंबरदार, विजय दलाल, आशीष राठी, मुकेश कौशिक, कुलबीर नंबरदार, सुमेर राठी, उमेद सिंधु, अजीत राठी, रण सिंह तूर, जयभगवान भोली, शशि तंवर, सुरेंद्र राठी, वीरेंद्र कादियान, विकासदीप तंवर, संदीप राठी, यश तंवर, जसवंत राठी, सुजल तंवर, वैभव तंवर, शितीज व कृष्ण तंवर आदि ने प्रदीप के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं सफल जीवन की कामना की।

बहादुरगढ़। प्रदीप राठी का अभिनंदन करते फाउंडेशन महासचिव प्रदीप तंवर व अन्य।

दिल्ली में डॉ. गौरव को किया सम्मानित

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में डॉ. गौरव अग्रवाल को सम्मानित करते अतिथि व आयोजक।

बहादुरगढ़। नई दिल्ली के चाणक्यपुरी में भारत गौरव रत्न श्री सम्मान परिषद द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में बहादुरगढ़ के उद्यमी डॉ. गौरव अग्रवाल को आयुर्वेदिक चिकित्सा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम कल्याण परिषद के पूर्व अध्यक्ष व मंत्री सुनील भराला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। परिषद के अध्यक्ष तपन कुमार राउतरे ने बताया कि कार्यक्रम में देश भर से सामाजिक उत्थान, राष्ट्र निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य, कला सहित अन्य क्षेत्रों में अनुकरणीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। डॉ. गौरव अग्रवाल ने एक अनूठी आयुर्वेदिक दवा विकसित की है, जो उच्च रक्त शर्करा को नियंत्रित करती है और इसकी जटिलताओं को दूर करती है। सीईओ कविता बजाज ने कहा कि यह आयोजन देशभर की प्रेरणादायक कहानियों का उत्सव है।

अग्रसेन धर्मशाला में मांडोठी मंडल के भाजपाइयों को दिया प्रशिक्षण

चुनावी रणनीति और जनसंपर्क के तरीकों के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा नेता व कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

शहर की अग्रसेन धर्मशाला में रविवार को भाजपा द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत मांडोठी मंडल का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कार्यकर्ताओं को भाजपा की विचारधारा, इतिहास और कार्यशैली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यप्रणाली, बूथ स्तर पर मजबूती, चुनावी रणनीति और जनसंपर्क के तरीकों के बारे में जानकारी दी गई। भाजपा विधानसभा क्षेत्र संयोजक दिनेश कौशिक ने पार्टी की स्थापना, संगठन के विस्तार और नेताओं-कार्यकर्ताओं के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एक मजबूत संगठन के निर्माण में प्रशिक्षित और जागरूक कार्यकर्ताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है।

भाजपा के 11 वर्षों के कार्यकाल में अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा, दिनेश गोयल, मांडोठी मंडल अध्यक्ष महावीर दलाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष गजराज राठी, वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश शेखावत, नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी, मार्केट कमेटी चेयरमैन विनोद कौशिक, वाईस चेयरमैन प्रदीप गुप्ता, ब्लाक समिति चेयरमैन प्रतिनिधि संजय जून, दुष्यंत काजला, सोनू मान व पूर्व पार्षद संदीप आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

संस्कारम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मूट कोर्ट का समापन

मूट कोर्ट प्रतियोगिताएं न्यायिक दृष्टिकोण और तार्किक क्षमता का करती विकास : डॉ. महिपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

रविवार को संस्कारम विश्वविद्यालय पाटौदा में विधि एवं विधिक अध्ययन संकाय द्वारा आयोजित मास्टर दयानंद राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का समापन हुआ। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देशभर से 40 टीमों ने सहभागिता करते हुए अपने विधिक ज्ञान, शोध क्षमता तथा प्रभावशाली वाद-विवाद कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में सेवानिवृत प्रोफेसर राजीव खन्ना ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

- **विजेता टीमों को प्रदान की एक लाख रुपये की सम्मान राशि**

इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ऐसे मंच विद्यार्थियों को न केवल न्यायिक प्रक्रिया की व्यावहारिक समझ प्रदान करते हैं, बल्कि उनमें तार्किक चिंतन, प्रभावी अभिव्यक्ति एवं पेशेवर दक्षता का भी विकास करते हैं। वहीं विश्वविद्यालय के चांसलर डॉक्टर महिपाल ने कहा कि संस्कारम विश्वविद्यालय का विधि एवं विधिक अध्ययन संकाय निरंतर उत्कृष्टता के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

इस प्रकार की राष्ट्रीय स्तर की मूट कोर्ट प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के विधिक ज्ञान को सुदृढ़ करने के साथ-साथ उनमें न्यायिक दृष्टिकोण, तार्किक क्षमता एवं नेतृत्व गुणों का समग्र विकास करती हैं।

झज्जर। विजेता टीम को सम्मानित करते हुए चासंलर डॉक्टर महिपाल। फोटो : हरिभूमि

विजेता टीमों को किया सम्मानित

संस्कारम विश्वविद्यालय द्वारा एक लाख रुपये के पुरस्कार की राशि विजेता टीमों को वितरित की गई। जिसमें प्रतियोगिता के फाइनल चरण में मणिपाल यूनिवर्सिटी, जयपुर एवं क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, एनसीआर दिल्ली की टीमों के मध्य अत्यंत रोचक एवं उच्च स्तरीय मुकाबला हुआ। जिसमें क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, एनसीआर दिल्ली की टीम विजेता घोषित की गई। विजेता टीम को 31 हजार की सम्मान राशि प्रदान की गई, जबकि मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर उपविजेता रही 21 हजार की राशि से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त डेमोडारम संजीवय्या नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, विशाखापट्टनम को बेस्ट मेमोरियल तथा मणिपाल यूनिवर्सिटी, जयपुर को बेस्ट स्पीकर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि अन्य उत्कृष्ट प्रतिभागियों को छह हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

सॉल्जरेथॉन में बीएफजी ने किया शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

दिल्ली के जेएलएन स्टेडियम में रविवार को पीएनबी सॉल्जरेथॉन का आयोजन किया गया। रन विद सॉल्जर्स, रन फॉर सॉल्जर्स थीम पर आधारित प्रतिष्ठित मैराथन में दिल्ली-एनसीआर के अनेक रनिंग व फिटनेस ग्रुप्स ने हिस्सा लिया।

बहादुरगढ़ फिटनेस ग्रुप के एडमिन नरेंद्र कुमार ने इस स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 21 किलोमीटर दौड़ मात्र एक घंटा 56 मिनट में पूरी की। उनके अलावा पश्चिम कुमार, नरेंद्र कुमार, मारखन सिंह, सुनील कुमार, अनुज शर्मा, विकास, हरीश कुमार ने 2 किलोमीटर, सतीश कुमार, विजेंद्र कुमार, दीपक शर्मा, राकेश कुमार, सुनील गर्ग, विजय, सुरेंद्र कुमार, देवेंद्र कुमार, संदीप कुमार, विनोद कुमार, सुशील, राजबीर सिंह, हर्ष, जितेंद्र, हर्ष कुमार, जगबीर सिंह व अजीत सिंह ने 10 किलोमीटर और अमित मलिक, प्रमोद कुमार, जैश, अनिल कुमार, जतिन शर्मा, अनिल, सोनू कुमार, सुमित, अमित, मोलिक ने 5 किलोमीटर दौड़ लगाई। दिल्ली पुलिस में कार्यरत नरेंद्र कुमार ने बताया कि ऐसे आयोजनों से शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, मानसिक मजबूती, अनुशासन और सामाजिक एकता को भी बढ़ावा मिलता है।

बहादुरगढ़। सॉल्जरेथॉन में भाग लेने पहुंचे बीएफजी के सदस्य। फोटो : हरिभूमि